

डैनियल की पुस्तक - संख्या बहत्तर

भविष्योक्त मिलन: प्राचीन इस्राएल के विभाजन से संयुक्त राज्य अमेरिका के अंत तक

Jeff Pippenger

2024-02-05

यारोबाम के विद्रोह की गवाही प्राचीन इस्राएल के दो राष्ट्रों में विभाजन का इतिहास भी है। दस गोत्रों से बना उत्तरी राज्य 'इस्राएल' कहलाता था, और कभी-कभी 'एप्रैम' भी, और दक्षिणी राज्य 'यहूदा' कहलाता था। यहजेकेल के समय में, वह राज्य कई वर्षों से दो राज्यों में बँटा हुआ था, और अध्याय सैंतीस में यहजेकेल को एक भविष्यवाणी दी गई कि वे दोनों राज्य फिर से एक राष्ट्र बन जाएंगे। वह भविष्यवाणी पृथ्वी के पशु (संयुक्त राज्य) के प्रारंभिक इतिहास में पूरी हुई, और संयुक्त राज्य के अंत में अंतिम बार पूरी होती है, क्योंकि यीशु हमेशा किसी बात के अंत को उसके आरंभ से चित्रित करते हैं।

जब इस्राएल दो राज्यों में विभाजित हुआ था, उस समय यारोबाम का विद्रोह संयुक्त राज्य अमेरिका की शुरुआत में होने वाले विद्रोह का, और उसके अंत में होने वाले विद्रोह का प्रतीक है। संयुक्त राज्य अमेरिका की शुरुआत और अंत में होने वाले इस विद्रोह में दो राज्यों का एक होना शामिल है। प्रकाशितवाक्य अध्याय अठारह, जैसा कि इन लेखों में सिस्टर व्हाइट की रचनाओं से बार-बार उद्धृत किया गया है, कलीसियाओं के लिए दो आह्वानों का प्रतीक है। रविवार कानून के संकट की घड़ी में जो दो राष्ट्र एक होते हैं, वे हैं एक लाख चवालीस हज़ार, और परमेश्वर की अन्य भेड़ें जो अब भी बाबुल में हैं।

मिलराइट इतिहास में जो दो राष्ट्र एक किए गए थे, वे यहूदा और इफ्रैम थे। वे तब एक किए गए जब दोनों राज्यों के विरुद्ध अलग-अलग कोप क्रमशः 1798 में और फिर 1844 में समाप्त हुए। यहजेकेल अध्याय सैंतीस में "moreover" शब्द हमें इस अनुप्रयोग के विषय में सुनिश्चित होने देता है। "moreover" शब्द का अर्थ है: "moreover" के बाद आने वाले संदेश को उस संदेश के ऊपर रखना जो "moreover" शब्द से पहले था।

यहोवा का वचन मेरे पास फिर से आया, यह कहते हुए: हे मनुष्य के पुत्र, तू एक छड़ी ले और उस पर लिख: यहूदा के लिए, और उसके साथी इस्राएलियों के लिए; फिर दूसरी छड़ी ले और उस पर लिख: यूसुफ के लिए—एप्रैम की छड़ी—और उसके साथियों, अर्थात् सारे इस्राएल के घराने के लिए; और उन्हें एक-दूसरे से जोड़कर एक ही छड़ी बना; और वे तेरे हाथ में एक हो जाएँगी। यहजेकेल 37:15-17.

यहजेकेल जब "इसके अतिरिक्त" कहता है, तब वह दोहराने और विस्तार करने के भविष्यसूचक सिद्धांत को लागू कर रहा है। यहजेकेल को दो लकड़ियाँ लेनी हैं—एक यहूदा के लिए और एक एप्रैम के लिए—और दो लकड़ियों द्वारा दर्शाई गई उस भविष्यवाणी को लेकर उसे पिछली भविष्यवाणी के ऊपर रखना है। पिछला भविष्यसूचक चित्रण पहली आयत में तब शुरू हुआ जब यहजेकेल को मृत सूखी हड्डियों की एक घाटी में ले जाया गया था।

प्रभु का हाथ मुझ पर था, और उसने मुझे प्रभु की आत्मा में बाहर ले जाकर उस घाटी के बीच में बैठा दिया जो हड्डियों से भरी थी। और उसने मुझे उनके चारों ओर से होकर गुजारा; और देखो, घाटी की सतह पर बहुत-सी हड्डियाँ थीं; और देखो, वे अत्यन्त सूखी थीं। और उसने मुझसे कहा, हे मनुष्य-पुत्र, क्या ये हड्डियाँ जीवित हो सकती हैं? मैंने उत्तर दिया, हे प्रभु परमेश्वर, तू ही जानता है। फिर उसने मुझसे कहा, इन हड्डियों पर भविष्यवाणी कर, और उनसे कह, हे सूखी हड्डियो, प्रभु का वचन सुनो। प्रभु परमेश्वर इन हड्डियों से यूँ कहता है: देखो, मैं तुम्हारे भीतर श्वास प्रवेश कराऊँगा, और तुम जीवित हो जाओगे; और मैं तुम पर स्नायु लगा दूँगा, और तुम पर मांस चढ़ाऊँगा, और तुम्हें चमड़ी से ढक दूँगा, और तुम में श्वास डाल दूँगा, और तुम जीवित हो जाओगे; और तुम जानोगे कि मैं ही प्रभु हूँ। तब मैंने जैसा मुझे आज्ञा दी गई थी वैसे ही भविष्यवाणी की; और जब मैं भविष्यवाणी कर रहा था, तो एक शब्द हुआ, और देखो, एक हलचल हुई, और हड्डियाँ आपस में मिल गईं, हड्डी अपनी हड्डी से

जुड़ गई। और मैंने देखा, कि उन पर स्नायु और मांस चढ़ आया, और ऊपर से चमड़ी ने उन्हें ढक लिया; पर उनमें श्वास न थी। तब उसने मुझसे कहा, वायु से भविष्यद्वाणी कर; भविष्यद्वाणी कर, हे मनुष्य-पुत्र, और वायु से कह, प्रभु परमेश्वर यूँ कहता है: हे श्वास, चारों पवनों से आ, और इन मारे हुआओं में श्वास भर, ताकि ये जीवित हो जाएँ। तब मैंने जैसा उसने मुझे आज्ञा दी थी वैसा ही भविष्यद्वाणी की, और श्वास उनमें आ गई, और वे जीवित हो उठे और अपने पैरों पर खड़े हो गए, एक अत्यन्त बड़ी सेना। फिर उसने मुझसे कहा, हे मनुष्य-पुत्र, ये हड्डियाँ इस्राएलियों के सारे घराने की हैं: देखो, वे कहते हैं, हमारी हड्डियाँ सूख गई हैं, और हमारी आशा नष्ट हो गई है; हम पूरी तरह से कट गए हैं। इसलिये भविष्यद्वाणी कर और उनसे कह, प्रभु परमेश्वर यूँ कहता है: देखो, हे मेरी प्रजा, मैं तुम्हारी कब्रें खोलूँगा, और तुम्हें तुम्हारी कब्रों में से निकाल लाऊँगा, और तुम्हें इस्राएल के देश में ले जाऊँगा। और जब मैं तुम्हारी कब्रें खोलूँगा, हे मेरी प्रजा, और तुम्हें तुम्हारी कब्रों में से निकाल लाऊँगा, तब तुम जानोगे कि मैं ही प्रभु हूँ। और मैं अपनी आत्मा तुम्हारे भीतर डालूँगा, और तुम जीवित हो जाओगे, और मैं तुम्हें तुम्हारे अपने देश में बसाऊँगा; तब तुम जानोगे कि मैंने यह कहा है और इसे पूरा किया है—प्रभु की वाणी।
यहेजकेल 37:1-14.

इन लेखों की शुरुआत से ही, हमने दिखाया है कि मृत हड्डियों की घाटी अंतिम दिनों में परमेश्वर के लोगों का प्रतिनिधित्व करती है, और कि चारों पवनों का संदेश, जो उन्हें एक शक्तिशाली सेना के समान अपने पैरों पर खड़ा कर देता है, वही आधी रात की पुकार का संदेश है, जो इस्लाम को तीसरी हाय के रूप में पहचानता है। सिस्टर व्हाइट हड्डियों को परमेश्वर के लोगों के रूप में पहचानती हैं।

मैं अपनी कलम रख देता हूँ और प्रार्थना में अपनी आत्मा को ऊपर उठाता हूँ कि प्रभु अपने धर्म से पीछे हटे हुए लोगों पर, जो सूखी हड्डियों के समान हैं, अपनी श्वास फूँक दे, ताकि वे जीवित हो जाएँ। जनरल कॉन्फ्रेंस बुलेटिन, 4 फरवरी, 1893।

हमने पहले के लेखों में दिखाया है कि 18 जुलाई, 2020 को चिह्नित करने वाला भविष्यसूचक संदेश त्रुटिपूर्ण था, और उस झूठी घोषणा ने दस कुँवारियों के दृष्टान्त में पहली निराशा और विलंब के समय के आगमन को चिह्नित किया। यद्यपि मिलराइट काल में समय की घोषणा वैध थी, 1844 के बाद समय-निर्धारण पर आधारित कोई और संदेश कभी नहीं होना था। जब Future for America ने 18 जुलाई, 2020 की घोषणा की, तो वे उस इतिहास में लौट गए जिसमें समय की घोषणा स्वीकार्य थी, और ऐसा करते हुए उन्होंने पाप किया, और वे प्रकाशितवाक्य अध्याय ग्यारह के महान नगर की सड़क पर मार डाले गए। सड़क पर मृत पड़े, तब उन्हें पुनर्जीवित किया जाना था, जैसे साढ़े तीन दिनों के बाद दो साक्षियों को किया गया था।

"सूखी हड्डियों पर परमेश्वर के पवित्र आत्मा का श्वास फूँका जाना आवश्यक है, ताकि वे मरे हुआओं में से पुनरुत्थान के समान क्रियाशील हो उठें।" बाइबल ट्रेनिंग स्कूल, 1 दिसंबर, 1903.

पिछले लेखों में हमने दिखाया है कि चार पवनों का वह संदेश, जो दो गवाहों को पुनर्जीवित करता है, तीसरे 'हाय' से संबंधित इस्लाम का संदेश है, और यह कि वही संदेश अंतिम दिनों की 'मध्यरात्रि की पुकार' का संदेश है। यहेजकेल कहता है, 'इसके अलावा,' और ऐसा कहते हुए वह संकेत करता है कि उस इतिहास में, जो 'मध्यरात्रि की पुकार' की घोषणा को दर्शाता है, दो डंडे—एक इफ्रैम का और दूसरा यहूदा का प्रतिनिधित्व करने वाला—आपस में जोड़े जाने थे और एक राष्ट्र बनना था। दस कुँवारियों का दृष्टान्त अंतिम दिनों में 'अक्षरशः' उसी प्रकार पूरा होता है, जैसा वह मिलराइट इतिहास में पूरा हुआ था। जिस काल में मिलराइट इतिहास में 'मध्यरात्रि की पुकार' पूरी हुई, और फिर अंतिम दिनों की पूर्ति में भी, 'दो डंडे' जुड़े थे और जुड़ेंगे।

दो लकड़ियाँ प्राचीन इस्राएल के उत्तरी राज्य (इफ्राइम) और दक्षिणी राज्य (यहूदा) का प्रतिनिधित्व करती थीं। हमने यह भी दिखाया है कि विलियम मिलर एलिय्याह के प्रतिरूप थे, और यह कि साढ़े तीन वर्षों के अकाल के दौरान एलिय्याह सारेपत की विधवा के पास गया था।

तब यहोवा का वचन उसके पास आया, कि: उठ, सिदोन के प्रदेश के सारेपत को जा और वहीं ठहर; देख, मैंने वहाँ एक विधवा स्त्री को तेरी सेवा करने की आज्ञा दी है। तब वह उठकर सारेपत को गया। और जब वह नगर के फाटक पर पहुँचा, तो देख, एक विधवा स्त्री वहाँ लकड़ियाँ बटोर रही थी; और उसने उसे पुकारकर कहा, कृपा करके, मुझे पीने के लिए किसी पात्र में थोड़ा पानी ला, कि मैं पीऊँ। और जब वह उसे लाने जा रही थी, उसने उसे पुकारकर कहा, कृपा करके, अपने हाथ में रोटी का एक टुकड़ा भी मेरे लिए ले आ। उसने कहा, तेरे परमेश्वर यहोवा के जीवन की शपथ, मेरे पास रोटी की टिकिया नहीं है, केवल एक घड़े में मुट्ठी भर आटा और एक कुप्पी में थोड़ा तेल है; और देख, मैं दो लकड़ियाँ बटोर रही हूँ, कि जाकर उसे अपने और अपने बेटे के लिए पकाऊँ, कि हम उसे खाएँ और फिर मर जाएँ। तब एलीयाह ने उससे कहा, मत डर; जा, जैसा तूने कहा है वैसा ही कर; परन्तु पहले उसी से मेरे लिए एक छोटी रोटी बनाकर मेरे पास ले आ, उसके बाद अपने और अपने बेटे के लिए बनाना। क्योंकि इस्राएल का परमेश्वर यहोवा यों कहता है: आटे का घड़ा खाली न होगा, और तेल की कुप्पी कम न होगी, जब तक यहोवा पृथ्वी पर वर्षा न करे। तब वह गई, और एलीयाह के वचन के अनुसार किया; और वह, एलीयाह और उसका घराना, बहुत दिनों तक खाते रहे। 1 राजाओं 17:8-15.

उस अंश में "कई दिन" से तात्पर्य उन साढ़े तीन वर्षों से है जिनमें अहाब ने एलिय्याह की तलाश की, और वे पापसी उत्पीड़न के बारह सौ साठ वर्षों का प्रतीक थे। पापसी उत्पीड़न के "कई दिन" के बारे में यीशु ने कहा:

और यदि वे दिन घटाए न जाएँ, तो कोई प्राणी बचाया न जाएगा; परन्तु चुने हुएों के कारण वे दिन घटाए जाएँगे। मत्ती 24:22।

बहन वाइट यीशु के "वे दिन" संबंधी कथन को पोपवादी उत्पीड़न की अवधि के रूप में प्रत्यक्ष रूप से पहचानती हैं।

कलीसिया पर होने वाला उत्पीड़न पूरे 1260 वर्षों की अवधि के दौरान लगातार नहीं चला। परमेश्वर ने अपने लोगों पर दया करते हुए उनकी अग्नि-परीक्षा के समय को संक्षिप्त कर दिया। कलीसिया पर आने वाले 'महाक्लेश' की पहले से भविष्यवाणी करते हुए उद्धारकर्ता ने कहा: 'यदि वे दिन घटाए न जाते, तो कोई प्राणी न बचता; परन्तु चुने हुएों के कारण वे दिन घटाए जाएँगे।' मत्ती 24:22। धर्म-सुधार के प्रभाव से 1798 से पहले ही उस उत्पीड़न का अंत हो गया। महान विवाद, 266, 267।

वे "कई दिन" जिनमें एलियाह का निर्वाह विधवा द्वारा किया गया था, वही दानिय्येल द्वारा निर्दिष्ट पापाई उत्पीड़न के "कई दिन" भी थे।

और जो लोगों में समझ रखने वाले होंगे, वे बहुतों को शिक्षा देंगे; तो भी वे तलवार, ज्वाला, बंधुआई और लूट के द्वारा बहुत दिनों तक गिरेंगे। अब जब वे गिरेंगे, तब उन्हें थोड़ी सहायता मिलेगी; परन्तु बहुत से लोग चाटुकारिता से उनसे आ मिलेंगे। और उनमें से कुछ समझ रखने वाले भी गिरेंगे, ताकि उन्हें परखा जाए, शुद्ध किया जाए और उजले किए जाएँ, यहाँ तक कि अन्त समय तक; क्योंकि यह अभी भी नियत समय तक के लिये है। दानिय्येल 11:33-35.

"अंत का समय", जो पदों में "नियत समय" भी है, 1798 था, और इसने पापाई उत्पीड़न के अंत को चिह्नित किया, जैसा कि सारेपत की विधवा के साथ एलिय्याह के समय द्वारा पूर्वरूप में दर्शाया गया था। उस इतिहास में, अविवाहित कलीसिया का प्रतिनिधित्व करने वाली उस विधवा की पहचान प्रकाशितवाक्य की पुस्तक के बारहवें अध्याय में जंगल में रहने वाली कलीसिया के रूप में की गई थी। वह दो लकड़ियाँ बटोर रही थी—एक लकड़ी नहीं और न ही दस लकड़ियाँ, बल्कि दो लकड़ियाँ। यहजेकेल को दो लकड़ियाँ लेनी थीं—एक इस्राएल के उत्तरी राज्य के लिए और एक इस्राएल के दक्षिणी राज्य के लिए—और उन्हें जोड़कर एक लकड़ी बनानी थी। वे दोनों राज्य पच्चीस सौ बीस वर्षों तक तितर-बितर रहे थे, परंतु परमेश्वर की प्रतिज्ञा यह थी कि वह उन्हें इकट्ठा करेगा। वह स्त्री उन दो लकड़ियों को बटोर रही थी जिन्हें आपस में जोड़ा जाना था, और वह ऐसा "जब तक वह दिन न आ जाए कि प्रभु पृथ्वी पर वर्षा भेजे" तब तक कर रही थी।

जिस दिन प्रभु ने "वर्षा" भेजी, वही दिन मिलेराइट इतिहास की मध्यरात्रि की पुकार की पहचान कराता था, जो 22 अक्टूबर, 1844 को अपने समापन पर पहुँची, जब वाचा का दूत अचानक उस मंदिर में आया, जिसका निर्माण उसने 1798 (पहले कोप का अंत) से लेकर 22 अक्टूबर, 1844 (अंतिम कोप का अंत) तक किया था। उसी अवधि में, यहजेकेल के हड्डियों की घाटी के चित्रण में प्रस्तुत मध्यरात्रि की पुकार का संदेश पूरा हुआ, जब उत्तरी और दक्षिणी राज्यों की दो छड़ें एक राजा के साथ एक राष्ट्र बनाने हेतु जोड़ दी गईं, क्योंकि 22 अक्टूबर, 1844 को मसीह पिता के सामने आए और एक राज्य प्राप्त किया।

“हमारे महायाजक के रूप में पवित्रस्थान के शुद्धीकरण के लिए मसीह का परमपवित्र स्थान में आना, जिसका दर्शन दानिय्येल 8:14 में कराया गया है; मनुष्य के पुत्र का अति प्राचीन के पास आना, जैसा कि दानिय्येल 7:13 में प्रस्तुत किया गया है; और प्रभु का अपने मन्दिर में आना, जिसकी भविष्यवाणी मलाकी ने की थी—ये सब एक ही घटना के वर्णन हैं; और इसी का निरूपण उस दूल्हे के विवाह में आने के द्वारा भी किया गया है, जिसका वर्णन मसीह ने मत्ती 25 की दस कुँवारियों के दृष्टान्त में किया है।” —The Great Controversy, 426.

मसीह ने 22 अक्टूबर 1844 को एक राज्य प्राप्त किया, जैसा कि दानिय्येल में वर्णित है।

मैंने रात के दर्शन में देखा, और देखो, मनुष्य के पुत्र के समान एक आकाश के बादलों के साथ आया, और वह प्राचीन दिनों वाले के पास आया, और वे उसे उसके सामने ले आए। और उसे अधिकार, महिमा, और एक राज्य दिया गया, कि सब लोग, जातियाँ और भाषाएँ उसकी सेवा करें; उसका अधिकार सदा रहने वाला अधिकार है, जो कभी समाप्त नहीं होगा, और उसका राज्य ऐसा है जो नष्ट नहीं किया जाएगा। दानिय्येल 7:13, 14.

जब यहजेकेल की दो छड़ियाँ आपस में जोड़ी जाती हैं, तब उन पर एक ही राजा होता है।

और मेरा दास दाऊद उन पर राजा होगा; और उन सब का एक ही चरवाहा होगा। वे मेरी विधियों पर चलेंगे, और मेरे नियमों को मानेंगे, और उन्हें पूरा करेंगे। और वे उस देश में बसेंगे, जो मैंने अपने दास याकूब को दिया है, जहाँ तुम्हारे पितर बसे थे; वे वहाँ बसेंगे, वे, उनके पुत्र, और उनके पुत्रों के पुत्र सर्वदा; और मेरा दास दाऊद सदा उनका प्रधान रहेगा। यहजेकेल 37:24, 25.

सभी भविष्यद्वक्ता एक-दूसरे से सहमत हैं, और राजा दाऊद वही मसीह है जो 22 अक्टूबर, 1844 को पिता के सम्मुख आया और उसे ऐसा राज्य प्राप्त हुआ जो इस्राएल (उत्तरी राज्य) और यहूदा (दक्षिणी राज्य) की दो लाठियों से इकट्ठा किया गया था। दोनों राज्यों का बिखराव 1798 से 1844 तक के छियालीस वर्षों के दौरान समाप्त हो गया, जब मसीह ने उस मंदिर को फिर से खड़ा किया जो उजाड़ा गया था और पैरों तले रौंदा गया था। जब उसने मंदिर को उठाया, तब वह वाचा के दूत के रूप में अपने मंदिर में अचानक आ गया, मलाकी अध्याय तीन की पूर्ति में। उस तथ्य से यहजेकेल भी सहमत है, क्योंकि सभी भविष्यद्वक्ता एक-दूसरे से सहमत हैं।

और मेरा दास दाऊद उनके ऊपर राजा होगा; और उन सबका एक ही चरवाहा होगा। वे मेरे न्यायों के अनुसार चलेंगे, मेरी विधियों को मानेंगे, और उनका पालन करेंगे। और वे उस देश में बसेंगे, जो मैंने अपने दास याकूब को दिया है, जिसमें तुम्हारे पितरों ने निवास किया था; वे वहीं बसेंगे—वे, उनके बच्चे, और उनके बच्चों के बच्चे—सदा तक; और मेरा दास दाऊद सदा के लिए उनका राजकुमार होगा। फिर मैं उनके साथ शांति की वाचा बाँधूँगा; वह उनके साथ एक अनन्त वाचा होगी; और मैं उन्हें स्थिर करूँगा और बढ़ाऊँगा, और अपना पवित्रस्थान उनके बीच सदैव के लिए स्थापित करूँगा। मेरा मण्डप भी उनके साथ रहेगा; हाँ, मैं उनका परमेश्वर रहूँगा, और वे मेरी प्रजा होंगे। यहजेकेल 37:24-27.

मंदिर का निर्माण मसीह ही करता है।

और उससे कह, सेनाओं का यहोवा यूँ कहता है: देख, वह पुरुष जिसका नाम 'अंकुर' है; वह अपने स्थान से अंकुरित होगा, और वह यहोवा का मंदिर बनाएगा। वही यहोवा का मंदिर बनाएगा; और वह महिमा धारण करेगा, और अपने सिंहासन पर बैठकर राज्य करेगा; और वह अपने सिंहासन पर याजक भी होगा; और उन दोनों के

बीच मेल का परामर्श होगा। और वे मुकुट हेलेम, तोबिय्याह, येदायाह और सपन्याह के पुत्र हेन के स्मारक के रूप में यहोवा के मंदिर में रखे जाएँगे। और जो दूर-दूर के हैं वे आकर यहोवा के मंदिर का निर्माण करेंगे, और तब तुम जानोगे कि सेनाओं के यहोवा ने मुझे तुम्हारे पास भेजा है। और यह तब होगा, यदि तुम अपने परमेश्वर यहोवा की वाणी को ध्यानपूर्वक मानोगे। जकर्याह 6:12-15.

मसीह अंकुर हैं, और उन्होंने कहा कि यदि वे अपने मंदिर को नष्ट कर दें, तो वह उसे तीन दिनों में उठा देगा, जिस पर यहूदियों ने कहा कि मंदिर बनाने में छियालिस वर्ष लगे थे।

तब यहूदियों ने उत्तर देकर उससे कहा, जब तू ये काम करता है, तो हमें कौन सा चिह्न दिखाता है? यीशु ने उत्तर दिया और उनसे कहा, इस मंदिर को गिरा दो, और मैं उसे तीन दिनों में खड़ा कर दूँगा। तब यहूदियों ने कहा, इस मंदिर के निर्माण में छियालीस वर्ष लगे हैं, और क्या तू इसे तीन दिनों में खड़ा कर देगा? यूहन्ना 2:18-20.

उस अंश में मसीह अपने शरीर के विषय में बोल रहे थे, परन्तु सभी भविष्यद्वक्ता जिन दिनों में वे रहते थे, उनकी अपेक्षा अंतिम दिनों के विषय में अधिक बोलते हैं। तीसरे दिन मसीह का पुनरुत्थान, आधी रात की पुकार के समय पवित्र आत्मा के उड़ने जाने के दौरान मृत हड्डियों के जी उठने का प्रतीक था। एलिय्याह की गवाही में जिस वर्षा का उल्लेख है, वह बाल और अशतोरेत के भविष्यद्वक्ताओं से उसके मुकाबले के चरम पर प्रकट हुई। तब यह सिद्ध हो गया कि एलिय्याह का परमेश्वर सच्चा परमेश्वर है, और यह भी कि एलिय्याह सच्चा भविष्यद्वक्ता है।

पहली निराशा आते ही यह प्रकट हुआ कि प्रोटेस्टेंट झूठे नबी बन गए थे, ठीक वैसे ही जैसे बाल और अशतोरेत के नबी। तब प्रतीक्षा का समय आरंभ हुआ, और उससे मध्यरात्रि की पुकार का संदेश आया, जिसके परिणामस्वरूप मसीह अपने मंदिर में अचानक आ गए। मध्यरात्रि की पुकार को यहजेकेल के उस संदेश द्वारा दर्शाया गया है, जो हड्डियों को उठाकर एक शक्तिशाली सेना के रूप में खड़ा करता है। और उस अवधि (छियालीस वर्ष) के दौरान, दो छड़ियों को मिलाकर एक राजा सहित एक ही राष्ट्र बनाया जाना था।

यहोवा का वचन फिर मुझ पर आया, यह कहते हुए, हे मनुष्य का पुत्र, एक लकड़ी ले, और उस पर यह लिख: यहूदा के लिये, और उसके साथी इस्राएल के पुत्रों के लिये; फिर एक और लकड़ी ले, और उस पर यह लिख: यूसुफ के लिये — एप्रैम की लकड़ी — और उसके साथियों, अर्थात् सारे इस्राएल के घराने के लिये; और उन्हें एक-दूसरे से जोड़कर एक ही लकड़ी बना दे; और वे तेरे हाथ में एक हो जाएँगे। और जब तेरे लोगों के पुत्र तुझ से कहें, क्या तू हमें नहीं बताएगा कि इनसे तेरा क्या आशय है? तो उनसे कहना, प्रभु यहोवा यों कहता है: देख, मैं यूसुफ की लकड़ी, जो एप्रैम के हाथ में है, और इस्राएल की गोत्रों को जो उसके साथी हैं, ले लूँगा, और उन्हें उसके साथ, अर्थात् यहूदा की लकड़ी के साथ, जोड़ दूँगा, और उन्हें एक लकड़ी बना दूँगा, और वे मेरे हाथ में एक होंगे। और जिन लकड़ियों पर तू लिखेगा, वे उनके देखते-देखते तेरे हाथ में होंगी। और उनसे कहना, प्रभु यहोवा यों कहता है: देख, मैं इस्राएल के पुत्रों को उन जातियों के बीच से, जहाँ वे गए हैं, निकाल लूँगा, और उन्हें चारों ओर से इकट्ठा करूँगा, और उन्हें उनके अपने देश में ले आऊँगा; और मैं उस देश में, इस्राएल के पहाड़ों पर, उन्हें एक ही राष्ट्र बना दूँगा; और उन सब पर एक ही राजा राज्य करेगा; और वे फिर कभी दो राष्ट्र न रहेंगे, और न ही वे फिर कभी दो राज्यों में बाँटे जाएँगे; वे न तो फिर अपनी मूर्तियों से, न अपनी घृणित वस्तुओं से, न अपनी किसी भी अपराध से अपने आप को अशुद्ध करेंगे; परन्तु मैं उन्हें उनके सब निवास-स्थानों में से, जहाँ उन्होंने पाप किया है, बचाकर निकालूँगा, और उन्हें शुद्ध कर दूँगा; तब वे मेरे लोग होंगे, और मैं उनका परमेश्वर ठहरूँगा। यहजेकेल 37:15-23.

विधवा जो दो लकड़ियाँ मध्यरात्रि की पुकार के समय एलीया की वर्षा से पहले बटोर रही थी, वे इस्राएल के उत्तरी और दक्षिणी राज्य थे, जो तितर-बितर कर दिए गए थे और जिन्हें 22 अक्टूबर, 1844 को, जब प्रतिरूपात्मक प्रायश्चित्त दिवस आरंभ हुआ, एक राष्ट्र में इकट्ठा किया जाना था, क्योंकि प्रतिज्ञा यह थी कि उस समय परमेश्वर "उन्हें शुद्ध करेगा"। यह शुद्धिकरण, जो अन्वेषणात्मक न्याय का प्रतिनिधित्व करता है, उसी समय आरंभ हुआ। दो लकड़ियों के उस एकत्रीकरण को सही ढंग से समझना आवश्यक है, क्योंकि परमेश्वर किसी बात के अंत को हमेशा उसके आरंभ से दर्शाता है।

1844 में, इस्राएल के दो राज्यों का अंत हो गया, क्योंकि तब वे एक राज्य, आध्यात्मिक इस्राएल, बन गए थे, और उस समय से वे केवल एक ही राष्ट्र रहने वाले थे। उस इतिहास का चित्रण आरंभिक इतिहास द्वारा किया गया था, जब वे दो राष्ट्र बन गए थे, जो यारोबाम के विद्रोह का इतिहास है।

यारोबाम की नकली उपासना-प्रणाली का इतिहास उसके राज्य के अंत में भी दर्शाया जाना चाहिए। प्राचीन इस्राएल की शुरुआत में हारून का विद्रोह और उत्तरी राज्य की शुरुआत में यारोबाम का विद्रोह, 1863 के विद्रोह का प्रतिनिधित्व करते हैं; और 1863 को तभी स्पष्ट रूप से समझा जाता है जब यारोबाम के राज्य के अंत को, जिसे दो डंडों के मिलाए जाने द्वारा दर्शाया गया है, 1863 के ऊपर भी रखा जाता है। तब यह स्पष्ट दिखाई देता है कि 1863 को ऐसी पीढ़ी के रूप में दर्शाया गया है जिसने ईर्ष्या की मूर्ति स्थापित की।

हम इस अध्ययन को अगले लेख में जारी रखेंगे।

परन्तु सूखी हड्डियों की यह उपमा केवल संसार पर ही लागू नहीं होती, बल्कि उन पर भी जो महान ज्योति से आशीषित हुए हैं; क्योंकि वे भी घाटी के कंकालों के समान हैं। उनके पास मनुष्यों का रूप, देह का ढाँचा है; पर उनमें आत्मिक जीवन नहीं है। परन्तु यह दृष्टांत सूखी हड्डियों को केवल मनुष्यों के रूप में जोड़कर नहीं छोड़ता; क्योंकि केवल अंग-प्रत्यंग और रूप-रंग की समरूपता पर्याप्त नहीं है। जीवन का श्वास उन देहों में प्राण फूँके, ताकि वे सीधे खड़े हों और क्रियाशील हो उठें। ये हड्डियाँ इस्राएल के घराने और परमेश्वर की कलीसिया का प्रतिनिधित्व करती हैं, और कलीसिया की आशा पवित्र आत्मा का जीवनदायी प्रभाव है। प्रभु को उन सूखी हड्डियों में श्वास फूँकना होगा, ताकि वे जीवित हों।

परमेश्वर का आत्मा अपनी जीवन्तकारी शक्ति सहित हर मनुष्य के भीतर होना चाहिए, ताकि हर आध्यात्मिक मांसपेशी और स्नायु क्रियाशील रहें। पवित्र आत्मा के बिना, परमेश्वर की श्वास के बिना, विवेक में जड़ता आ जाती है, आध्यात्मिक जीवन खो जाता है। जो आध्यात्मिक जीवन से रहित हैं, उनमें से बहुतों के नाम कलीसिया के अभिलेखों में तो हैं, पर वे मेम्ने की जीवन-पुस्तक में लिखे नहीं हैं। वे कलीसिया से तो जुड़े हो सकते हैं, परन्तु प्रभु से संयुक्त नहीं हैं। वे कुछ निश्चित कर्तव्यों के निर्वाह में परिश्रमी भी हो सकते हैं, और जीवित मनुष्य समझे जाते हैं; पर बहुत से उन्हीं में से वे हैं जिनका 'नाम तो है कि तू जीवित है, परन्तु तू मरा हुआ है।'

जब तक आत्मा का सच्चा रूपांतरण परमेश्वर की ओर न हो; जब तक परमेश्वर की जीवनदायी श्वास आत्मा को आत्मिक जीवन के लिए जीवित न करे; जब तक सत्य का अंगीकार करने वाले स्वर्गजन्य सिद्धांत से प्रेरित न हों, तब तक वे उस अविनाशी बीज से उत्पन्न नहीं हैं जो सदैव जीवित रहता और स्थिर रहता है। जब तक वे मसीह की धार्मिकता को अपना एकमात्र सहारा मानकर उस पर भरोसा न करें; जब तक वे उसके चरित्र का अनुकरण न करें, उसकी आत्मा में परिश्रम न करें, तब तक वे नग्न हैं; उन पर उसकी धार्मिकता का वस्त्र नहीं है। मृतकों को अक्सर जीवित मान लिया जाता है; क्योंकि जो लोग अपने ही विचारों के अनुसार, जिसे वे उद्धार कहते हैं, उसे साधने में लगे हैं, उनमें परमेश्वर अपनी भली इच्छा के अनुसार चाहने और करने के लिए कार्य नहीं कर रहा।

"इस वर्ग का अच्छा उदाहरण वह सूखी हड्डियों की घाटी है जिसे यहजेकेल ने दर्शन में देखा था।" Review and Herald, 17 जनवरी, 1893.